(छ) जी, नहीं ।

(ज) प्रश्न नहीं उठता ।

गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग

2252. **श्री विठ्ठलभाई मोती राम पटेल** : क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय राजमार्गों के संबंध में वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान गुजरात से कितने प्रस्ताव प्राप्त हुए है और ये प्रस्ताव किस क्षेत्र और किस सड़क से संबंधित हैं ;

(ख) संस्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और उनके लिए कितने धन का आवंटन किया गया है ;

(ग) राज्यों के उन राजमार्गों का ब्यौरा क्या है जिनका विकास किया जाएगा / जिनकी मरम्मत की जाएगी और आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि में जिन सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित किए जाने का प्रस्ताव है, उनका ब्यौरा क्या है ;

(घ) राज्य सरकार को संशोधन के लिए वापस किए गए प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और उनमें से कितने प्रस्ताव वापस मिल चुके हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ङ) शेष प्रस्तावों के संबंध में स्थिति क्या है ?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ङ) 1991-92 और 1992-93 के दौरान (30-6-92) तक राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए गुजरात राज्य सरकार से कुल 72 अनुमान प्राप्त हुए थे। क्षेत्रवार ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं। (नीचे देखिए) इनमें से 40 अनुमानों को स्वीकृति दी जा चुकी है जिनके ब्यौरे तथा उनके लिए किए गये आवंटनों का ब्यौरा विवरण 2 में दिया गया है (नीचे देखिए) शेष अनुमानों में से 19 अनुमानों को स्पष्टीकरण हेतु राज्य सरकार को लौटा दिया गया था और 13 अनुमानों पर विभिन्न स्तरों पर कार्यवाही की जा रही है ।

(ग) संवैधानिक दृष्टि से केंद्र सरकार मूलतः केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सडकों के लिए ही जिम्मेवार है । राष्ट्रीय राजमार्गों सहित अन्य सभी सड़कों के विकास और रख-रखाव के लिए अनिवार्यतः संबंधित राज्य सरकारें ही जिम्मेदार हैं । आठवीं योजना के दौरान नए राष्ट्रीय राजमार्गों को घोषणा के संबंध में विभिन्न राज्य सरकारों ने लगभग 37,566 कि० मी० के कुल 135 प्रस्ताव भेजे हैं । इनमें गुजरात सरकार द्वारा भेजे गए 2271 कि० मी० लंबाई के 9 प्रस्ताव भी शामिल हैं । निर्धारित मानदंड के अनुसार इन प्रस्तावों की विस्तृत जांच करने के प्रयोजन से राज्य सरकार से अनुरोध किया गया था कि व निर्धारित प्रोफ में प्रत्येक प्रस्ताव के बारे में पूरे ब्यौरे औचित्य इत्यादि संबंधी सूचना भेजें । उनके राज्यों में यह सूचना अभी नहीं भजी है । संसाधनों का भी अभाव है । इस लिए आठवीं योजना में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के बारे में अभी से निर्णय लेना संभव नहीं है ।

विवरण-I

वर्ष 1991-92 या 1992-93 के दौरान गुजरात सरकार से प्राप्त प्रस्तावों की क्षेत्रवार एवं राष्ट्रीय राजमार्ग-वार स्थिति ।

क्षेत्र	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या	प्रस्तावों संख्या
उत्तरी गुजरात	8, 8सी, 14,15	19
दक्षिणी गुजरात	8, 8ए	36
सौराष्ट्र	8ए, 8बी	15
कच्छ	8ए, 15	2
	योग :	72

विवरण-II

वर्ष 1991-92 तथा 1992-93 के दौरान प्राप्त प्रस्तावों में से अस्वीकृत प्राक्कलनों की स्थिति

(रुपए करोड़ में)

कार्य का नाम	प्राक्कलनों की संख्या	संस्वीकृति	आवंटन 1991-92	आवंटन 1992-93
4 लेनों का बनाना	1	3.44	1.67	**
पैदल पथ को सुदृढ़ करना	10	17.10		
पुल तथा पहुंच मार्ग	1	2.45		
विविध	28	4.81		
योग :	40	27.89		

गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न विकास कार्यों तथा पिछले वर्षों से चल रहे कार्यों एवं चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत किए जाने वाले नए कार्यों के लिए 1992-93 के दौरान 42.00 करोड रु० का अनन्तिम तौर पर आवंटन किया गया है । वर्ष के दौरान काय-वार आवंटन, कार्यों की प्रगति, निधियों की उपलब्धता तथा राज्य सरकार द्वारा भेजे गए ब्यौरों के आधार पर किया जाता है ।

Loss due to Transporters Strike

2253. SHRI CHIMANBHAI MEHTA :
SHRI SOM PAL :
SHRI SARADA MOHANTY :
SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN :
DR. SANJAYA SINH :

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that his Ministry has consulted Attorney-General on the feasibility of suing States and Union Territories that persist in levying octoroi and toll tax, if so, the outcome thereof ;

(b) whether it is a fact that over Rs. 1000 crores is being wasted annually at the check-posts by way of loss of diesel, apart from huge administrative expenditure ;

(c) whether the All-India Motor Transport Congress had gone on strike from the 1st July, 1992 ; if so, what were its effects on the economy of the country, particularly losses suffered by industries labour and exporters as a result thereof ;

(d) what action Government have taken to compensate the above losses ; and

(e)- whether any steps are being taken to re solve the issue ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) Yes, Sir.